ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महर्षि अरबिंद के विचारों के प्रचार हेतु एयरोविल फाउंडेशन के सदस्यों का हिंदी विवि में हुआ आगमन
कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया ने किया स्वागत

वर्धा, 9 फरवरी 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 8 फरवरी को महर्षि अरबिंद की 150 वीं जयंती पर उनके विचार युवाओं में प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एयरोविल फाउंडेशन के इगर टु फोर्ज के सदस्यों के आगमन पर कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया ने उनका विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह एवं अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया। इस अवसर पर एयरोविल फाउंडेशन के संजय सामंतराय, श्वेतापद्मा पाति, जगदीश पाणिग्रही, असोमबिता पोद्दार एवं देवव्रत, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. फरहद मलिक, जनसंचार विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश लेहकपुरे, सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार वर्मा, डॉ. रणंजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

इस दौरान माधवराव सप्रे सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के प्रभारी डॉ. के सी पाण्डेय ने खुद के महर्षि अरबिंद से मुलाकात के बारे में बताते हुए कहा कि रामकृष्ण परमहंस के वजह से उन्हें श्री अरबिंदो तक पहुंचने का मौका मिला। युवाओं को महर्षि अरबिंदो के बारे में पढ़ना चाहिए जिससे उन्हें जीवन को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी।

दर्शन एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. विपीन कुमार पाण्डेय ने कहा कि श्री अरबिंद का जीवन एक दार्शनिक की हैसियत से असाधारण है। एरोविल फाऊंडेशन की डॉ. श्वेतापद्मा ने श्री अरबिंद की जीवन यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया और उनके जीवन-दर्शन को लेकर विचार व्यक्त किये। इस लघुफिल्म में श्री अरबिंद कहते हैं कि स्वदेशी वह तरीका है जिससे राष्ट्र आगे बढ़ता है। भारत का उद्देश्य पूरे विश्व को प्रकाश दिखाना है। संजय सामंतराय ने कहा कि श्री अरबिंद मानते थे कि मृत्यु धरती से पलायन का एक रास्ता है। उन्होंने चालीस वर्ष तक एक कमरे में रहकर तपस्या की। समापन वक्तव्य में वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक डॉ. बंशीधर पाण्डेय ने अरबिंद के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उपस्थितों का आभार माना। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रणंजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ श्री अरबिंद की तस्वीर के सामने प्रार्थना से किया गया। इस अवसर पर जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार वर्मा, दर्शन एवं संस्कृति विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सूर्यप्रकाश पाण्डेय, आनंद भारती सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महर्षि अरविंद यांच्या विचारांच्या प्रचारासाठी आलेल्या सदस्यांचे हिंदी विवित आगमन
कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया यांनी केले स्वागत

वर्धा, 9 फेब्रुवारी 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात 8 फेब्रुवारी रोजी महर्षि अरविंद यांच्या 150 व्या जयंतीनिमित्त त्यांचे विचार युवकांमध्ये रूजविण्यासाठी केंद्रीय संस्कृती मंत्रालयाच्या सहयोगाने एयरोविल फाउंडेशनच्या इगर टु फोर्ज सदस्यांचे आगमन झाले. एयरोविल फाउंडेशनचे संजय सामंतराय, श्वेतापद्मा पाती, जगदीश पाणिग्रही, असोमबिता पोद्दार व देवव्रत या सदस्यांचे कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया यांनी प्रतीक चिन्ह व शॉल देऊन स्वागत केले. यावेळी प्रो. फरहद मलिक, डॉ. राजेश लेहकपुरे, डॉ. संदीप कुमार वर्मा, डॉ. रणंजय कुमार सिंह उपस्थित होते.

यानंतर माधवराव सप्रे सभागृहात आयोजित कार्यक्रमात डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्राचे प्रभारी डॉ. के सी पांडे म्हणाले की रामकृष्ण परमहंस यांच्यामुळे त्यांना श्री अरविंद यांचा परिचय झाला. युवकांनी अरविंद यांचे समग्र विचार वाचून प्रेरणा घेतली पाहिजे असे ते म्हणाले.

दर्शन व संस्कृती विभागाचे अध्यक्ष डॉ. विपीन कुमार पांडे यांनी श्री अरविंद यांचे जीवन एक दार्शनिक म्हणून अनन्यसाधारण आहेत असे मत मांडले. एरोविल फाऊंडेशनच्या डॉ. श्वेतापद्मा यांनी एक लघु फिल्म दाखवून स्वदेशी विचारातून देशाला कसे पुढे नेता येईल यावर प्रकाश टाकला. संजय सामंतराय म्हणाले की श्री अरविंद मृत्युला पलायनाचा एक मार्ग मानत होते असे सांगितले. अरविंद यांनी चाळीस वर्ष तपस्या केली असे त्या म्हणाल्या. वर्धा समाज कार्य संस्थानचे निदेशक डॉ. बंशीधर पांडे यांनी उपस्थितांचे आभार मानले. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. रणंजय कुमार सिंह यांनी केले. कार्यक्रमाचा प्रारंभ प्रार्थनेने करण्यात आला. यावेळी जनसंचार विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार वर्मा, आनंद भारती, दर्शन व संस्कृती विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. सूर्यप्रकाश पांडे यांच्यासह मोठया संख्येने विद्यार्थी उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305